वीयू–मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

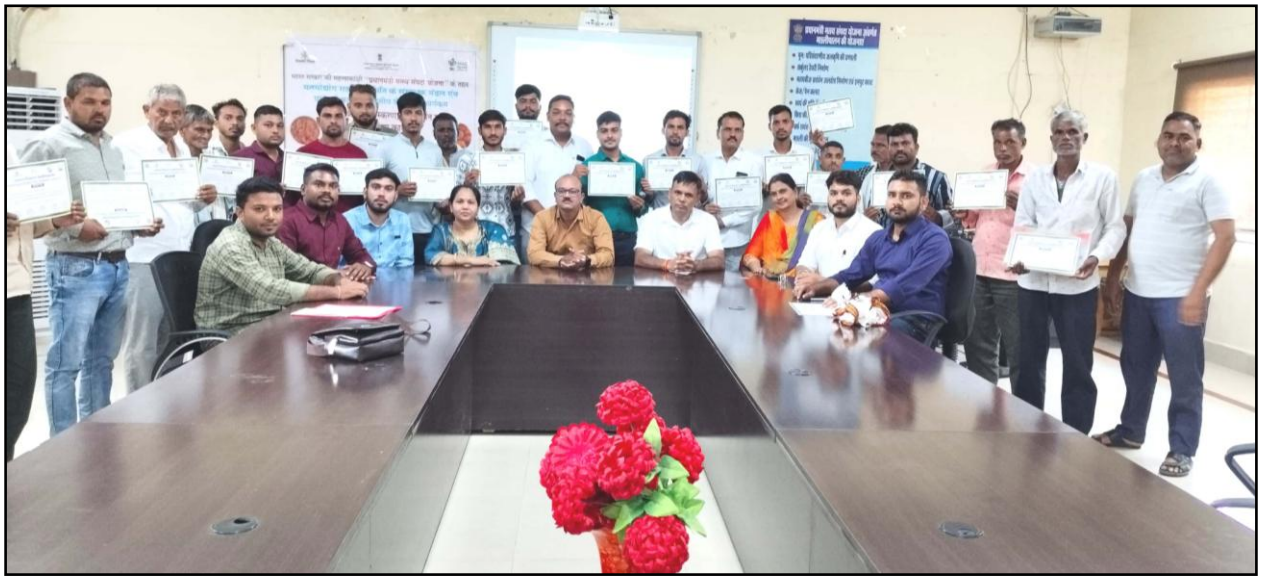

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मनदीप शर्मा की प्रेरणा से मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत एफ.एफ.पी.ओ. के संचालक मंडल एवं प्रबंधकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 से 5 अक्टूबर का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जिसमें परियोजना प्रमुख श्री रवि पाटिल जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रतलाम व देवास जिले के करीब 25 मत्स्य उद्योग मंडल संचालक एवं प्रबंधकों सहित प्रशिक्षणार्थियों को मत्स्य प्रक्षेत्र का प्रबंधन मत्स्य कृषि में नई तकनीकी तथा मूल्य वर्धित उत्पाद जैसे मछली के कटलेट, फिश फिंगर एवं फिश चकली सहित मछली अचार बनाने की विधि को प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा एवं सह–समन्वयक डॉ. प्रीती मिश्रा रहीं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सी बी.बी.ओ. मध्य भारत कंसोर्सटयम आफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड भोपाल मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया, जिसकी क्रियान्वयन एजेंसी लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, कृषि मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली रही। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ.एस. के महाजन ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम से मत्स्य पालन के क्षेत्र में विस्तार एवं नवाचार को बल मिलेगा साथ ही साथ समेकित कृषि पद्धति एवं मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने की विधि से मत्स्य कृषक आर्थिक रूप से संबल बन सकेंगे। इसके साथ ही कृषकों कि आय को दोगुना करने के संकल्प को साकार किया जा सकेगा। मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री शिवमोहन सिंह परियोजना प्रबंधक श्री दीपक वर्मा, टीचिंग एसोसिएट श्री अनिल केवट, सत्येंद्र कटारा, शिवानी पाठक, प्रियंका गौतम, प्रतीक कुमार तिवारी, सहित सभी कर्मचारी बंधुओं तथा चतुर्थ वर्ष के छात्र छात्राओं का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन प्रतीक कुमार तिवारी एवं आभार डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर